मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–104

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबन्धन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** *हिन्दी* **या** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।*

(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही भाषा में हो।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×5=50

(क) नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति न चैकान्तमन श्नतः।

न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन॥

(ख) यातयामं गतरसं पूति पर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टमपि चामेध्यं भोजनं तापसप्रियम्॥

(ग) काम एष क्रोध एष रजोगुण समुद्भवः।
महाशनो महापाप्मा विद्धयेनमिह वैरिणम्॥

(घ) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेरकर्मणः॥

(ङ) अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्।
स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते॥

(च) तत्रैकाग्रं मनः कृत्वा यतचितेन्द्रिय क्रियः।
उपविश्वयासने युञ्ज्याद्योगमात्मविशुद्धये॥

(छ) यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति।
तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखिए : $10\times3=30$

(क) मन पर नियंत्रण के उपायों पर प्रकाश डालिए।

(ख) गीता के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ग) गीता में वर्णित ज्ञानयोग, भक्तियोग एवं कर्मयोग पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(घ) इन्द्रियों के अभिप्राय को स्पष्ट करते हुए उनकी संख्या एवं स्वभाव पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ङ) भारतीय संस्कृति में निष्काम कर्मयोग को उद्धरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

(च) योगी के गुणों एवं उनके स्वरूपों को स्पष्ट कीजिए।

(छ) गीता में वर्णित नैतिक गुणों को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 4 = 20$

(क) संतुलित जीवन

(ख) गीता का प्रतिपाद्य विषय

(ग) गीता के अध्याय विभाजन

(घ) इन्द्रियनिग्रह फल में

(ङ) गीता में वर्णित ध्यान

(च) अहंकार त्याग